RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

# गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 135
दि. 14.09.2025,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in


## 'मणिपुर मां भारती के मुकुट पर सजा रत्न', इंफाल में बोले पीएम मोदी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से पूर्वोत्तर के दौरे पर हैं। पीएम मोदी का ये दौरान कई मायनों में खास है। पूर्वोत्तर में पीएम मोदी कई परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री मणिपुर पहुंच चुके हैं। मणिपुर में दो साल पहले हिंसा भड़कने के बाद पहली बार प्रधानमंत्री मोदी का ये दौरा है।

पीएम मोदी ने कहा कि मणिपुर में शांति आए स्थिरता आए, यहां के लोगों के हित सुरक्षित रहें, जो कैंपो में रहने को मजबूर हैं, उनका जीवन फिर पटरी पर आए, इसके लिए हमारी सरकार निरंतर काम कर रही है। सरकार द्वारा विस्थापितों के लिए 7 हजार नए घर स्वीकृत किए गए हैं। हाल ही में केंद्र सरकार ने मणिपुर के लिए लगभग 3,000 करोड़ रुपये का विशेष पैकेज भी घोषित किया है।

आज मणिपुर के विकास के लिए हजारों-करोड़ों रुपये के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। ये प्रोजेक्ट आप सभी लोगों की ईज ऑफ लिविंग बढ़ाएंगे, इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करेंगे और मणिपुर के युवाओं के लिए रोजगार के नए मौके भी बनाएंगे।

प्रधानमंत्री इंफाल में लोगों को संबोधित कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि मणिपुर मां भारती के मुकुट पर सजा रत्न है। इसलिए हमें मणिपुर की विकासवादी छवि को निरंतर मजबूत करना है। पीएम मोदी ने कहा कि मणिपुर एक सीमावर्ती राज्य है और यहां कनेक्टिविटी हमेशा से एक बड़ी चुनौती रही है। अच्छी सड़कों की कमी के कारण आपको जिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है, मैं उन्हें अच्छी तरह समझता हूँ। इसीलिए, 2014 से, मैंने मणिपुर की कनेक्टिविटी को लगातार बेहतर बनाने पर जोर दिया है और इसके लिए भारत सरकार ने दो स्तरों पर काम किया है। पहला, हमने मणिपुर में सड़क और रेलवे पर बजट बढ़ाया। दूसरा, हमने गांवों को सड़कों से जोड़ने के लिए प्रयास किए... पिछले कुछ वर्षों में, मणिपुर में राष्ट्रीय राजमार्गों पर 3,700 करोड़ रुपये खर्च किए गए। नए राजमार्गों के निर्माण पर 8,700 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

पीएम मोदी के मणिपुर दौरे पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने निशाना साधा है।

## मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की सरलता के हुए दर्शन, प्रज्ञाचक्षु बच्ची को माइक देकर सुनी बात

**उर्मि स्कूल की छात्रा गौरी शार्दुल ने मुख्यमंत्री के समक्ष कहा, 'सुगम्य भारत अभियान से दिव्यांगजनों की राह हुई आसान'**

गांधीनगर, 13 सितंबर :वडोदरा के नगरजनों को शनिवार को फिर एक बार मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के बच्चों के प्रति प्रेम एवं सरलता (ऋजुता) के दर्शन हुए। इलेट्स अर्बन इनोवेशन एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर समिट में सहभागी हुए मुख्यमंत्री ने एक प्रज्ञाचक्षु (नेत्रहीन) छात्रा को स्टेज पर माइक दिलाकर उसकी बातें स्नेहपूर्वक सुनीं।

हुआ कुछ यूँ कि समिट में उर्मि स्कूल के दिव्यांग बच्चों द्वारा मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया, जिनमें इस विद्यालय में कक्षा 10 में अध्ययनरत गौरी शार्दुल भी शामिल थी। गौरी ने स्वयं बनाए गए स्कैच की फ्रेम मुख्यमंत्री को देकर उनका स्वागत किया।

पेंसिल से खींची गई तसवीर देखकर मुख्यमंत्री प्रभावित हुए, कारण कि गौरी प्रज्ञाचक्षु होने के बावजूद सुंदर चित्रकार्य कर सकती है। इसलिए मुख्यमंत्री ने जब इस छात्रा से बातचीत की, तब गौरी ने मुख्यमंत्री से कहा, 'सर, मुझे दो शब्द कहने हैं।'

मुख्यमंत्री छात्रा की भावना को तुरंत समझ गए। उन्होंने तत्काल एक माइक स्टेज पर मंगवाया और बच्ची

को उसकी बात कहने के लिए दे दिया।

गौरी ने भी किसी प्रकार के भय या संकोच के बिना कहा, 'सुगम्य भारत अभियान के कारण दिव्यांगजनों के अनुकूल इमारतों, बस स्टैंड्स, रेलवे स्टेशनों का निर्माण किया जा रहा है। ऐसे बच्चों के लिए सरकार द्वारा ब्रेल लिपि की सुविधा से युक्त शिक्षा सहित सुविधाएँ की जा रही हैं, जिससे दिव्यांगजनों की राह आसान हुई है।' इस प्रकार गौरी ने बहुत ही सुंदर ढंग से अपनी बात प्रस्तुत की।

इस घटना से मुख्यमंत्री की सादगी तथा बच्चों के प्रति प्रेम का सबको फिर एक बार परिचय हुआ। साथ ही छात्रा की बात सुनकर भी सभी को आनंद हुआ। उनके साथ उर्मि स्कूल के श्री सरगम गुप्ता एवं श्री राधिका नायर भी सहभागी हुए।

## 'अब खून और क्रिकेट एक साथ कैसे बहेंगे', उद्धव की शिवसेना हुई आगबबूला, इण्डिया-पाक मैच के खिलाफ आंदोलन का ऐलान

(जीएनएस)।

एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच लीग मैच 14 सितंबर को यूएई में खेला जाएगा। भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में गर्मागर्मी का माहौल है। इस मैच को लेकर शिवसेना उद्धव ठाकरे आगबबूला हो गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनका पुराना बयान याद दिलाते हुए शिवसेना यूबीटी ने भारत से पाकिस्तान के खिलाफ मैच न खेलने की मांग की है और भारत-पाकिस्तान के खिलाफ सड़कों पर उतर कर आंदोलन करने का ऐलान कर दिया है।

ठाकरे गुट ने 14 सितंबर को राज्यव्यापी 'माझं कुंकू-माझा देश' आंदोलन की घोषणा की है। हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने मोदी के पुराने बयान, "खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते," का हवाला देते हुए पूछा, "अब खून और क्रिकेट एक साथ कैसे बहेंगे, यह मोदी को बताना चाहिए।"

शिवसेवस यूबीटी की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी इस पर विरोध जताते हुए एक पोस्ट लिखी है। जिसमें उन्होंने'ऑपरेशन सिंदूर' का हवाला दिया। उन्होंने बताया कि जब वे इस ऑपरेशन के तहत विभिन्न देशों के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे, तब उन्हें यह स्पष्ट संदेश दिया गया था कि "जब तक वे लोग हमारे देशवासियों का खून बहाते रहेंगे, तब तक न तो कोई व्यापार होगा, न कोई बातचीत होगी, और न ही पानी बहेगा।"

सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने 26 जवानों की शहादत और 26 महिलाओं के विधवा होने का जिक्र किया, जो पहलगाम में हुए आतंकी हमले का परिणाम था। इस घटना के बाद ही 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया गया था, जिसके तहत भारत ने पाकिस्तान को कड़ा जवाब दिया। उस समय यह तय किया गया था कि पाकिस्तान के साथ व्यापार और बातचीत दोनों बंद रहेंगे।

**पति को नई जिंदगी देने के लिए पत्नी ने बढ़ाया कदम, एसएमएस अस्पताल में होगा पहला लाइव लिवर ट्रांसप्लांट**

राजस्थान की राजधानी जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल (एसएमएस) में शनिवार को चिकित्सा इतिहास का नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। यहां पहली बार लाइव लिवर ट्रांसप्लांट किया जाएगा। खास बात यह है कि इस ऑपरेशन में 42 वर्षीय मरीज की जिंदगी बचाने के लिए उनकी पत्नी ने अपना लिवर दान करने का साहसिक फैसला लिया है।

डॉक्टर्स के अनुसार मरीज का 80 प्रतिशत से अधिक लिवर काम करना बंद कर चुका है। ऐसे में उनकी पत्नी के लिवर का 40 से 50 प्रतिशत हिस्सा ट्रांसप्लांट कर उन्हें जीवनदान दिया जाएगा।

## रतलाम में सीएम मोहन यादव का 'ऑन द स्पॉट' एक्शन: फरियादी की फरियाद सुनी, धोखेबाज को पकड़ने के दिए आदेश

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वे जनता के दुख-दर्द को समझने वाले और त्वरित फैसले लेने वाले नेता हैं। रतलाम में एक जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान उन्होंने एक पीड़ित युवक की फरियाद सुनी और तत्काल कार्रवाई का आदेश देकर न केवल उसका भरोसा जीता, बल्कि उसे गले लगाकर भावनात्मक समर्थन भी दिया।

इस मामले में एक ऑटोमोबाइल कंपनी पर धोखाधड़ी का आरोप है, जिसने युवक को पुरानी गाड़ी बेचकर लाखों रुपये का चूना लगाया। सीएम के इस संवेदनशील और त्वरित एक्शन की तारीफ न केवल स्थानीय लोगों, बल्कि सोशल मीडिया पर भी हो रही है।

रतलाम में शुक्रवार को आयोजित एक जनसंवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जनता की समस्याएं सुन रहे थे। इस दौरान पूनम चंद, एक स्थानीय निवासी, अपनी शिकायत लेकर उनके पास पहुंचा। पूनम चंद ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया कि उसने एक ऑटोमोबाइल कंपनी से 8 लाख 32 हजार रुपये में फाइनेंस पर एक फोर-व्हीलर खरीदा था। उसने अब तक 9 लाख 86 हजार रुपये का भुगतान भी कर दिया, लेकिन कंपनी ने धोखे से उसे एक साल पुरानी गाड़ी की बॉडी बदलकर बेच दी। पूनम चंद ने कहा, "मेरे साथ बहुत बड़ा धोखा हुआ है। मैंने मेहनत की कमाई लगाई, लेकिन कंपनी ने मुझे ठग लिया।"

पूनम चंद की बात सुनकर सीएम डॉ. मोहन यादव भावुक हो गए। उन्होंने तुरंत वहां मौजूद पुलिस अधिकारियों को बुलाया और सख्त लहजे में कहा, "जिसने भी यह फ्रॉड किया है, उसे तत्काल गिरफ्तार करें। धोखाधड़ी के इस मामले में धारा 420 (IPC) के तहत कार्रवाई होनी चाहिए। दोषी को हवालात में डालें।" इसके बाद, उन्होंने पूनम चंद से कुछ देर बात की, उसका दुख समझा, और उसे गले लगाकर आश्वासन दिया कि उसे जल्द इंसाफ मिलेगा।

सीएम डॉ. मोहन यादव का यह अंदाज वहां मौजूद लोगों के लिए एक भावनात्मक क्षण था। पूनम चंद, जो अपनी शिकायत लेकर निराशा में था, को सीएम का यह व्यवहार देखकर नई उम्मीद मिली।

उन्होंने कहा, "मैंने सोचा नहीं था कि मुख्यमंत्री मेरी बात इतनी गंभीरता से सुनेंगे। उन्होंने मुझे गले लगाया और भरोसा दिया कि मेरा नुकसान नहीं होगा।" वहां मौजूद लोगों ने सीएम के इस मानवीय रुख की जमकर तारीफ की। एक स्थानीय निवासी राकेश शर्मा ने कहा, "डॉ. मोहन यादव ने आज दिखा दिया कि एक मुख्यमंत्री को जनता का दुख-दर्द समझना चाहिए। उनकी त्वरित कार्रवाई और संवेदनशीलता ने हमारा दिल जीत लिया।" एक अन्य व्यक्ति सुनीता बाई ने कहा, "ऐसे ही नेताओं की जरूरत है, जो गरीबों की सुनें और तुरंत एक्शन लें।"

सीएम के निर्देश के बाद रतलाम पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी। रतलाम रढ राहुल कुमार लोढ़ा ने बताया, "मुख्यमंत्री के आदेश पर हमने मामले की जांच शुरू कर दी है। ऑटोमोबाइल कंपनी और संबंधित डीलर के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गाड़ी की बॉडी और चेसिस नंबर में हेरफेर किया गया है। हम जल्द ही दोषियों को गिरफ्तार करेंगे।" पुलिस ने पूनम चंद का बयान दर्ज किया और गाड़ी के दस्तावेज, फाइनेंस रिकॉर्ड, और कंपनी के बिल की जांच शुरू की।

साथ ही, डीलरशिप के मालिक और कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है। यह भी जांच की जा रही है कि क्या कंपनी ने अन्य ग्राहकों के साथ भी ऐसी धोखाधड़ी की है।

पूनम चंद का मामला मध्य प्रदेश में ऑटोमोबाइल सेक्टर में बढ़ती धोखाधड़ी की ओर इशारा करता है। हाल के वर्षों में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां डीलरशिप्स ने पुरानी गाड़ियां नई बताकर बेचीं या गलत दस्तावेजों के साथ ग्राहकों को ठगा।

## दुनिया की पहली एआई मंत्री, इस देश ने करप्शन रोकने का निकाला गजब जुगाड़!

अलबानिया ने दुनिया को चौंकाते हुए अपने पहले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मंत्री की घोषणा

कर दी है। इस मंत्री का नाम डिएला है और खास बात यह है कि यह कोई इंसान नहीं बल्कि पूरी तरह से कोड और पिक्सेल से बनी वर्चुअल मंत्री है। प्रधानमंत्री एडी रामा ने गुरुवार को तिराना में सोशलिस्ट पार्टी की विधानसभा में डिएला को पेश किया।

क्या है डिएला का काम?

डिएला का मुख्य कार्य सरकारी खरीद और सरकारी टेंडरों की निगरानी करना है।

## एनडीए मे किसे कितनी सीटें, उम्मीदवार कैसे तय होंगे? पटना पहुंचे भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने जमाई फील्डिंग

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की हलचल अब जमीन पर साफ नजर आने लगी है। शनिवार (13 सितंबर) को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पटना पहुंचे और उनके दौरे के साथ ही पूरे सियासी माहौल में एक नई सरगर्मी दिखी। एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत हुआ और फिर वे सीधे निजी कार्यक्रमों और चुनावी बैठकों में जुट गए। आइए समझने की कोशिश करते हैं कि जेपी नड्डा का ये दौरा इतना अहम क्यों है।

नड्डा का पटना दौरा क्यों अहम?

जेपी नड्डा का यह बिहार दौरा महज एक औपचारिक यात्रा नहीं, बल्कि "मिशन 2025" की नींव रखने वाला कदम माना जा रहा है। वे यहां संगठन को धार देने, सीट बंटवारे की रणनीति तय करने और उम्मीदवारों की सूची पर चर्चा करने आए हैं। रविन्द्र भवन में उन्होंने "मोदी मित्र डिजिटल योद्धा अभियान" की

शुरूआत की। इसका मकसद है चुनावी संदेश को घर-घर तक पहुंचाना और सोशल मीडिया से लेकर जमीनी स्तर तक बीजेपी का माहौल बनाना।

नड्डा जैसे ही पटना पहुंचे, वैसे ही एक और मोर्चा गर्म हो गया। 8,000 से ज्यादा बर्खास्त संविदा कर्मचारियों ने बीजेपी ऑफिस के बाहर जमकर प्रदर्शन किया। उनकी मांग है-"समान काम, समान वेतन और 60 साल तक नौकरी।" पिछले 29 दिनों से वे गर्दनीबाग में धरना दे रहे थे और शनिवार को उनका गुस्सा बीजेपी दफ्तर के बाहर फूट पड़ा।

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा को प्रदर्शनकारियों ने घेर लिया, तो केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय को जाम के बीच गाड़ी से उतरकर पैदल ऑफिस जाना पड़ा। हालात को देखते हुए नड्डा की अहम चुनावी बैठक का स्थल बदलना पड़ा और अब यह स्टेट गेस्ट हाउस में हो रही है।

सबसे बड़ा सवाल यही है कि NDA में सीटों का बंटवारा आखिर कैसे होगा।

## दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस के खिलाफ दर्ज की एफआईआर, पीएम मोदी की मां से जुड़ा है मामला, भाजपा बोली- कितना नीचे गिरेंगे

(जीएनएस)।

दिल्ली पुलिस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां हीराबेन को दर्शाने वाले एक एआई-जनित वीडियो को लेकर कांग्रेस पार्टी और उसकी आईटी सेल के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बिहार कांग्रेस द्वारा 10 सितंबर को साझा किए गए इस वीडियो की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कड़ी आलोचना की है।

भाजपा की शिकायत के बाद नॉर्थ एवेन्यू पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई एफआईआर में कांग्रेस पर प्रधानमंत्री मोदी की मां और, एक तरह से, पूरे भारत की महिलाओं का अपमान करने का आरोप लगाया गया है। इस वीडियो में मोदी के हमशक्ल और उनकी दिवंगत मां हीराबेन जैसी दिखने वाली एक महिला को दिखाया गया है।

किसने दर्ज करवाई एफआईआर?

यह कार्रवाई दिल्ली भाजपा चुनाव प्रकोष्ठ के संयोजक संकित गुप्ता ने

शिकायत पर हुई है। शुक्रवार को का दर्ज शिकायत में दावा किया गया है कि 10 सितंबर, 2025 को कांग्रेस के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल "आईएनसी बिहार" से एक्स पर यह वीडियो पोस्ट किया गया था। जिसमें कांग्रेस ने प्रधानमंत्री और उनकी मां की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया है

वीडियो में क्ं या दिया दिखाया गया है?

इस वीडियो को हिंदी में "साहब के सपनों में मां आती है। दिलचस्प संवाद देखिए" कैप्शन के साथ पोस्ट किया गया था। क्लिप में, मोदी के हमशक्ल को "वोट चोरी" के बाद बिस्तर पर जाते हुए दिखाया गया है, जिसके बाद एक सपने आता है जिसमें उनकी मां जैसी दिखने वाली महिला नजर आती हैं। मोदी अपनी मां को सपने में देखते हैं, जहां उनकी मां उन्हें बिहार चुनाव की राजनीति को लेकर डांटती हैं।

गुप्ता का आरोप है कि इस वीडियो ने प्रधानमंत्री और उनकी दिवंगत मां दोनों की छवि को अपमानजनक तरीके से पेश किया है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि यह वीडियो कानून, सामाजिक मानदंडों और महिलाओं की गरिमा का उल्लंघन करता है।


गरवी गुजरात
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2002

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
गरवी गुजरात हिंदी चेनल देखिये

# सम्पादकीय

## राजनीति में अपराधियों का बढ़ता प्रभुत्व लोकतंत्र के लिये घातक

राजनीति से अपराधियों की सफाई ही लोकतंत्र को बचाने का सबसे बड़ा उपाय है। सवाल है कि क्या हमारे राजनीतिक दल और नेता इस सच्चाई को स्वीकार कर अपनी राजनीति को स्वच्छ बनाने का साहस दिखाएंगे, ऐसा तत्काल तो संभव नहीं दिख रहा है। ऐसे में राजनीति से अपराधीकरण को मुत्त करने की बात सिर्प छलावा है। लोकतंत्र की शुचिता के लिए बढ़ता खतरा अपराधियों का राजनीतिकरण! एक ताजा रिपोर्ट ने भारतीय राजनीति की हकीकत को बेपर्दा कर दिया है। इस रिपोर्ट में बताया गया कि देश के 643 मंत्रियों में से 302 (47%) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इनमें से 174 मंत्री गंभीर अपराधों जैसे हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध में आरोपित हैं। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में राजनीति के अपराधीकरण को रोकने की बात लंबे अरसे से हो रही है। चुनाव आयोग से लेकर सुप्रीम कोर्ट के तमाम प्रयासों के बावजूद देश की राजनीति में अपराधीकरण कम होने के बजाए बढ़ता ही जा रहा है। हालांकि राजनीति में अपराधी तत्वों की घुसपैठ कोई नया मुद्दा नहीं है, लेकिन जिस पैमाने पर यह बढ़ा है, वह लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स की ताजा रिपोर्ट इस सच्चाई को बयान करती है कि देश के लगभग आधे मंत्री ऐसे हैं, जिन पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर मामले भी शामिल हैं। अब सवाल यह आता है कि जब कानून बनाने और उसे लागू कराने वाले ही दागी होंगे तो क्या वे सचमुच न्याय और निष्पक्ष शासन की रक्षा कर पाएंगे? एडीआर के एक विश्लेषण के अनुसार देश के लगभग 47 प्रतिशत मंत्रियों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है, जिनमें हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। यह रिपोर्ट वेंद्र सरकार द्वारा उन तीन विधेयकों को संसद में पेश किए जाने के वुछ दिन बाद आई है, जिनमें गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तारी के बाद 30 दिन तक हिरासत में रहने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने का प्रावधान है। हाल ही में एडीआर ने 27 राज्य विधानसभाओं, तीन वेंद्रशासित प्रदेशों और वेंद्रीय मंत्रिपरिषद के 643 मंत्रियों के हलफनामों का अध्ययन किया और पाया कि 302 मंत्रियों, यानी वुल मंत्रियों के 47 प्रतिशत के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन 302 मंत्रियों में से 174 पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। विश्लेषण के अनुसार भाजपा के 336 मंत्रियों में से 136 यानी 40 प्रतिशत ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है और 88 यानी 26 प्रतिशत पर गंभीर आरोप हैं। कांग्रेस शासित चार राज्यों में पाटा के 45 मंत्रियों यानी 74 प्रतिशत पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें से 18 यानी 30 प्रतिशत के खिलाफ गंभीर अपराध दर्ज हैं। द्रमुक के 31 मंत्रियों में से 27 यानी लगभग 87 प्रतिशत पर आपराधिक आरोप हैं, जबकि 14 यानी 45 प्रतिशत पर गंभीर मामले दर्ज हैं। तृणमूल कांग्रेस के भी 40 में से 13 मंत्रियों यानी 33 प्रतिशत पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें से 8 यानी 20 प्रतिशत पर गंभीर आरोप हैं। तेलुगु देशम पाटा (तेदेपा) का अनुपात सबसे ज्यादा है, जिसके 23 में से 22 मंत्रियों यानी 96 प्रतिशत पर आपराधिक मामले दर्ज हैं और 13 यानी 57 प्रतिशत पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। आप के 16 में से 11 यानी 69 प्रतिशत पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि पांच यानी 31 प्रतिशत पर गंभीर मामले दर्ज हैं। राष्ट्रीय स्तर पर 72 वेंद्रीय मंत्रियों में से 29 यानी 40 प्रतिशत ने अपने हलफनामों में आपराधिक मामले घोषित किए हैं। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु विहार, ओडिशा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और पुडुचेरी में 60 प्रतिशत से ज्यादा मंत्रियों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके विपरीत हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, नागालैंड और उत्तराखंड के मंत्रियों ने अपने खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं होने की सूचना दी है। देखा जाए तो सभी परटियों में दागी नेता है, जबकि देश के सभी दल अपराध मुत्त राजनीति की बात करते हैं।

आंकड़ों को देखने के बाद साफ है कि हिदुस्तान की सियासत आज जिस रास्ते पर चल रही है वह भ्रष्टाचार और अपराध से लबालब है। आपको पता है चुनाव में बढ़ता धनबल, बाहुबल और अपराधा करण लोकतंत्र को अंदर ही अंदर खा रहा है। जब कानून के निमार्ता और रखवाले ही अपराध में सने होंगे तो उनसे वैसे उम्मीद की जा सकती है कि लोकतंत्र को स्वस्थ रख सवेंगे। पहले तो बिहार और उत्तर प्रदेश को ही आपराधिक राजनीति का गढ़ कहा जाता था, लेकिन पिछले दो-तीन दशकों से सभी राज्यों में ऐसी प्रवृत्ति के नेताओं की संख्या में इजाफा हुआ है। आज नेताओं का उद्देश्य चुनाव जीतकर देश सेवा करना नहीं, बल्कि सत्ता हासिल कर हुवूमत करना है। कालेजियम व्यवस्था के रहते हमारी न्यायपालिका को भी पूर्ण पवित्र नहीं कहा जा सकता है। राजनीति का अपराधीकरण केवल संसद और विधानसभाओं को ही प्रभावित नहीं करता, वरन समाज और लोकतंत्र की जड़ें खोखली कर देता है। लेकिन चिता की बात यह है कि राजनीतिक परटियों के द्वारा चुनाव जीतने के लिए दागी उम्मीदवारों को टिकट देने में कोई परहेज नहीं किया जाता है। 'हमाम में सभी नंगे हैं' की तर्ज पर सभी राजनीतिक परटियों की गोद में ऐसे अनेक नेताओं की किलकारियां गूंजती हैं, जो अपराध में आवंठ डूबे हैं। चुनावों में अपराधीकरण बढ़ने का बड़ा कारण चुनावी व्यवस्था की खामियां हैं। चुनाव लड़ने के लिए अपार धन की जरूरत होती है, और यही धनबल राजनीति में अपराधियों के लिए रास्ता खोल देता है। अपराध से अर्जित धन चुनावी मैदान में खर्च होता है और उसके बदले सत्ता का संरक्षण अपराधियों को मिलता है। बाहुबल और धनबल के सहारे चुनाव जीतने वाले जनप्रतिनिधि जनता के प्रति कम और अपने अपराधी गिरोह के प्रति ज्यादा जवाबदेह हो जाते हैं। हालांकि इस दिशा में पिछले वुछ समय में सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग के तरफ से कई कदम उठाए गए हैं, इनके भी हाथ बंधे हुए हैं। शीर्ष न्यायालय बार-बार कह चुका है। चुका है कि गंभीर आपराधिक मामलों में पंसे व्यत्तियों को चुनाव लड़ने से रोका जाना चाहिए। लेकिन राजनीतिक दल वोट बैंक की मजबूरी में ऐसे उम्मीदवारों को टिकट देने से बाज नहीं आते हैं। राजनीति में अपराध को रोकने के लिए निर्वाचन आयोग को अधिक अधिकार दिए जाने चाहिए ताकि वह ऐसे उम्मीदवारों को चुनाव मैदान से बाहर कर सके। साथ ही चुनावी खर्च की सीमा का कड़ाई से पालन और पारदशा पंडिग व्यवस्था भी जरूरी है। कानून से ज्यादा जरूरी है राजनीतिक दलों का आत्मसंयम और नैतिकता। यदि दल अपराधियों को टिकट न दें तो यह समस्या स्वतः कम हो जाएगी। लेकिन आज की राजनीति में सत्ता की लालसा इतनी प्रबल है कि दल अपराधियों को भी सिर-आंखों पर बिठाने से हिचकते नहीं। जब तक दल खुद यह संकल्प नहीं लेंगे कि वे स्वच्छ छवि वाले उम्मीदवारों को ही आगे बढ़ाएंगे, तब तक लोकतंत्र में शुचिता की उम्मीद करना व्यर्थ है। भारत का लोकतंत्र विश्व के लिए आदर्श माना जाता है, लेकिन यह तभी टिकेगा जब इसकी जड़ें मजबूत हों। अपराधीकरण और भ्रष्टाचार लोकतंत्र की नींव को खोखला कर रहे हैं। यदि आज ठोस कदम नहीं उठाए गए तो कल जनता का भरोसा इस व्यवस्था से पूरी तरह उठ जाएगा। लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं है, बल्कि यह जनता के प्रति जवाबदेही, पारर्दशिता और नैतिकता का प्रतीक है। राजनीति से अपराधियों की सफाई ही लोकतंत्र को बचाने का सबसे बड़ा उपाय है। सवाल है कि क्या हमारे राजनीतिक दल और नेता इस सच्चाई को स्वीकार कर अपनी राजनीति को स्वच्छ बनाने का साहस दिखाएंगे, ऐसा तत्काल तो संभव नहीं दिख रहा है। ऐसे में राजनीति से अपराधीकरण को मुत्त करने की बात सिर्प छलावा है।

# रूस पर प्रतिबंध लगाने और चीन पर 50-100% टैरिफ लगाने के लिए ट्रम्प ने चली चाल! नाटो पर अब बनाया दबाव

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो देशों से रूसी तेल खरीदना बंद करने का आग्रह किया है। उन्होंने रूस पर मॉस्को की पकड़ तोड़ने के लिए चीन पर 50-100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का प्रस्ताव भी दिया। ट्रंप ने चेतावनी दी कि यदि इन प्रस्तावों पर कार्रवाई नहीं की गई, तो अमेरिकी संसाधनों की बबार्दी होगी।

शनिवार को ट्रंप ने नाटो देशों पर रूस से तेल खरीद बंद करने और उस पर प्रतिबंध लगाने का दबाव डाला। उन्होंने यूक्रेन युद्ध समाप्त होने तक चीन पर 50-100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का सुझाव दिया।

ट्रंप की यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्होंने भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, जिसमें भारतीय तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल था, लेकिन चीन के खिलाफ ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की गई।

नाटो सदस्यों और "दुनिया" को संबोधित एक पत्र में, ट्रंप ने लिखा, "मैं रूस पर बड़े प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हूँ, जब सभी नाटो राष्ट्र सहमत हों और ऐसा करना शुरू करें, और जब सभी नाटो राष्ट्र रूस से तेल खरीदना बंद कर दें। जैसा कि आप जानते हैं, जीतने के लिए नाटो की प्रतिबद्धता 100 प्रतिशत से बहुत कम रही है, और कुछ लोगों द्वारा रूसी तेल की खरीद चौंकाने वाली है! यह रूस पर आपकी बातचीत की स्थिति और मोलभाव की शक्ति को बहुत कमजोर करता है।"

ट्रंप ने गठबंधन से सामूहिक रूप से कार्य करने का आग्रह किया और कहा कि नाटो सदस्य प्रतिबंधों पर सहमत होते ही वे "जाने" के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, "वैसे भी, जब आप तैयार हों, मैं जाने के लिए तैयार हूँ। बस बताइए कब?" अमेरिकी



राष्ट्रपति ने यह भी प्रस्ताव दिया कि नाटो मॉस्को पर चीन के प्रभाव को कमजोर करने के लिए चीन पर भारी टैरिफ लगाए।

उन्होंने कहा, "मेरा मानना है कि यह, साथ ही नाटो द्वारा एक समूह के रूप में चीन पर 50% से 100% टैरिफ लगाना, जिसे रूस और यूक्रेन के साथ युद्ध समाप्त होने के बाद पूरी तरह से वापस ले लिया जाएगा, इस घातक, लेकिन बेतुके युद्ध को समाप्त करने में भी बहुत मदद करेगा। चीन का रूस पर एक मजबूत नियंत्रण और यहाँ तक कि पकड़ भी है, और ये शक्तिशाली टैरिफ उस पकड़ को तोड़ देंगे।"

अमेरिकी टैरिफ की धमकियों के बीच चीन ने रूस के साथ अपने ऊर्जा व्यापार का बचाव किया है। चीनी विदेश मंत्रालय ने ब्लूमबर्ग न्यूज को एक ब्रीफिंग में कहा, "चीन के लिए दुनिया भर के सभी देशों, जिसमें रूस भी शामिल है, के साथ सामान्य आर्थिक, व्यापार और ऊर्जा सहयोग करना वैध और कानूनी है। हम अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार उचित ऊर्जा सुरक्षा उपाय अपनाना जारी रखेंगे।"

ट्रंप ने नाटो को चेतावनी दी कि उनके प्रस्तावों पर कार्रवाई करने में विफल रहने से अमेरिकी संसाधनों की बबार्दी होगी। उन्होंने कहा, "अगर नाटो ऐसा करता है, जैसा मैं कहता हूँ, तो युद्ध जल्दी समाप्त हो जाएगा, और उन सभी जानें बच जाएँगी! यदि नहीं, तो आप मेरा समय, और संयुक्त राज्य अमेरिका का समय, ऊर्जा और धन बर्बाद कर रहे हैं।"

एक दिन पहले, शुक्रवार को ब्रिटेन ने रूस से संबंधित प्रतिबंधों का एक नया पैकेज लॉन्च किया था, जिसमें रूसी तेल ले जाने वाले जहाजों, साथ ही रूसी हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रॉनिक्स, रसायन और विस्फोटकों की आपूर्ति करने वाली कंपनियों और व्यक्तियों को लक्षित किया गया था।

यह आ'ान तब आया है जब ट्रंप ने नई दिल्ली द्वारा रूसी तेल के निरंतर आयात को लेकर भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया था। उन्होंने रूसी कच्चे तेल खरीदने वाले देशों, जिसमें शीर्ष खरीदार चीन और भारत भी शामिल हैं, पर द्वितीयक प्रतिबंधों की धमकी भी दी है, यदि युद्ध समाप्त करने की दिशा में कोई प्रगति नहीं होती है।

# क्या रद्द होगा वक्फ संशोधन अधिनियम? सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सुनाएगा बड़ा फैसला

सुप्रीम कोर्ट सोमवार (15 सितंबर 2025) को वक्फ (संशोधन)



अधिनियम 2025 पर अपना बहुप्रतीक्षित फैसला सुनाने जा रहा है। यह फैसला इस बात पर होगा कि क्या इस नए कानून को अंतरिम रूप से निलंबित किया जाए या नहीं।

गौरतलब है कि अदालत ने इस मामले में मई महीने में तीन दिन तक सुनवाई के बाद 22 मई को फैसला सुरक्षित रख लिया था। कुल 21 याचिकाओं के जरिए इस कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है।

6 जून 2025 को अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी कर सभी वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण यूएमईईडी नामक डिजिटल पोर्टल पर छह महीने के भीतर कराने का आदेश दिया। इसका विरोध करते हुए याचिकाकताओं ने तर्क दिया कि इससे समुदाय पर अनावश्यक बोझ पड़ेगा।

22 अगस्त को सुनवाई के दौरान जब याचिकाकताओं ने इस अधिसूचना पर रोक लगाने की मांग की, तो चीफ जस्टिस भुषण आर. गवई और जस्टिस ए.जी. मसीह की पीठ ने साफ कहा कि चूंकि फैसला पहले से सुरक्षित है, इसलिए अब अंतरिम आदेश नहीं दिया जा सकता।

याचिकाकताओं के ने क्या दिए तर्क?

वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने अदालत में दलील दी कि 1954 से लेकर 2025 तक राज्य सरकारों और केंद्र का दायित्व था कि वक्फ संपत्तियों का सर्वेक्षण और पहचान की जाए। लेकिन सरकार की इस असफलता का खामियाजा अब समुदाय को भुगतना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि यह कानून संविधान के अनुच्छेद 26 का उल्लंघन करता है, जिसमें अल्पसंख्यकों को अपनी संपत्तियों का प्रबंधन करने का अधिकार है। अन्य याचिकाकताओं ने यह भी आपत्ति जताई कि नए कानून में वक्फ की स्थापना केवल ऐसे व्यक्ति द्वारा की जा सकती है जो कम से कम पांच साल से मुसलमान हो। उनका कहना था कि अन्य धर्मों की धार्मिक संपत्तियों के लिए ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं है।

केंद्र सरकार ने क्या कहा?

केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कानून का बचाव करते हुए कहा कि 2013 के संशोधन में किसी भी व्यक्ति को वक्फ घोषित करने का अधिकार देना एक अवधारणात्मक गलती थी। उन्होंने सवाल किया कि "वक्फ, जो पूरी तरह से इस्लामिक अवधारणा है, उसे गैर-मुस्लिम कैसे घोषित कर सकते हैं?"

इसके अलावा, उन्होंने अनुसूचित जनजातियों की जमीन पर वक्फ बनाने पर प्रतिबंध का बचाव करते हुए कहा कि यह उनकी सांस्कृतिक पहचान और अधिकारों की रक्षा के लिए है। हालांकि, पीठ ने इस तर्क पर सवाल उठाते हुए कहा कि धर्म एक है, परंपराएं अलग हो सकती हैं।

अदालत ने सुनवाई के दौरान कहा था कि वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण की परंपरा सौ साल से अधिक पुरानी है। 1923 के मुसलमान वक्फ अधिनियम से लेकर 1954 और उसके बाद के कानूनों तक, संपत्तियों की सूची और पंजीकरण को हमेशा महत्वपूर्ण माना गया है। सोमवार को आने वाला यह फैसला न केवल वक्फ अधिनियम 2025 के भविष्य का निर्धारण करेगा बल्कि देशभर में वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन और पारदर्शिता के मुद्दे पर भी दूरगामी प्रभाव डालेगा।

# 'उत्कृष्ट अभिव्यक्ति का माध्यम हिन्दी'

भाषा की सर्वोत्तम उत्कृष्टता को प्रदर्शित करने का सशक्त माध्यम है हिन्दी। हिन्दी की सहजता, सरलता, सरसता अद्वितीय है। प्रत्येक भाषा अपने आप में निपुण है, परंतु शब्दों की सुंदरता से आलोकित एवं सुशोभित हिन्दी भाषा अप्रतिम है। यह सत्य है कि भाषा विहीन व्यक्ति कभी भी उन्नति के मार्ग पर अग्रसर नहीं हो सकता। भाषा ही हमारी उन्नति को पल्लवित, पुष्पित एवं चहुं ओर हमारे विकास को प्रसारित करती है। हिन्दी में विचारों के प्रवाह का अद्वितीय सौंदर्य विद्यमान है।

भाषा की अस्मिता का गौरव गुणगान है हिन्दी।

वेदनाओं एवं भावनाओं की यथार्थ अभिव्यक्ति है हिन्दी।

समस्त भाषाओं को कदमताल देती उन्नत स्वरूप है हिन्दी।

सूक्ष्म, अमूर्त और जटिल अनुभवों का सहज सम्प्रेषण है हिन्दी।

अंग्रेजी हमने सहर्ष नहीं अपनाई थी, वह तो अंग्रेजो द्वारा हम पर थोपी गई थी। आज भी हम उसी जंजीर के गुलाम बने हुए है। भाषा की गुलामी की जंजीरों और बेड़ियों को तोड़कर हमें एकमत होना होगा। हिन्दी की अनुभूति कितनी अनुपम है यह उसमें निहित शब्दों का चयन प्रदर्शित करता है। हिन्दी तो वह है जो नैतिकता को सहेजती है। निर्मल गंगा सा भाव एवं प्रवाह उत्पन्न करती है। साहित्य को शिरोधार्य बनाती है। कवियों की ललकार और भाषा की बयार से उन्नति के सोपान को छूती है। भारत माता के प्रति अतुलनीय प्यार के अनुपम स्वर में व्याप्त है हिन्दी। हिन्दी भाषा का अनोखा दर्पण है। हिन्दी में भावों को मुख से मन तक समर्पित करने की उत्कृष्टता है।

भाषा की धुरी पर स्वाभिमान का आविर्भाव है हिन्दी। जब भी साहित्य का सृजन किया जाता है तो हर पात्र को जीवंत बनाकर पाठक के समक्ष प्रस्तुत करती है हिन्दी। नए भारत में उन्नति और उत्थान के भाव को संवाहित करने का सामर्थ्य हिन्दी में ही है। यदि भाषा की होली के उत्सव को हिन्दी से सजाया जाए, औजपूर्ण हिन्दी के माधुर्य को मुख पर गुनगुनाया जाए, अलंकारों के रंगों से अभिव्यक्ति को नित-नवीन बनाया जाए और हिन्दी के प्रयोग से काव्य रचना के स्वर से हृदय को आलोकित किया जाए तो मन रूपी हृदय में उन्नति, उत्साह और उमंग के रंग को बिखरने का अनुपम सौन्दर्य हिन्दी में ही है। राष्ट्र की उन्नति में माँ की ममता के आशीर्वाद का रूप हिन्दी प्रकट करती है।

जीवन की समग्रता का अंकन है हिन्दी।

सांकेतिकता, प्रतिकात्मकता का उत्कृष्ट आयाम है हिन्दी।

मानवीय भावों का यथार्थ चित्रण है हिन्दी।

अभिनव मूल्यों के उद्घाटन की चेतना है हिन्दी।

वर्तमान समय में अंग्रेजी ही आधुनिकता का आधार मानी जा रही है। भावी पीढ़ी की दृष्टि में हिन्दी का महत्व न्यून है। कितनी बड़ी विडम्बना है इस देश और समाज की कि हम अपने पूर्वजों की धरोहर जो हमें अनायास और सहजता से मिली है उसे ठुकरा रहे है और अंग्रेजों द्वारा परोसी गई भाषा को ग्रहण कर उसका उन्नयन कर रहे है। भाषा हमारी संस्कृति की अस्मिता और धरोहर है। यह केवल संवाद का माध्यम ही नहीं अपितु विचारों, भावनाओं एवं संवेदनाओं का उद्वेग है। उन्नति के सोपान की ओर कदम बढ़ाते वक्त अंग्रेजी को भी सीखना चाहिए, परंतु हिन्दी के प्रति अपने प्रेम को भी जीवंत एवं निष्ठावान रखना होगा। भाषा के विभिन्न स्वरूपों में अंग्रेजी भी ज्ञान का ही एक रूप है, परंतु मातृ भाषा की कीमत पर हिन्दी को तुच्छ समझकर अंग्रेजी को आत्मसात करना उचित नहीं है। उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम में प्रेम एवं स्नेह का सरल रूप हैं हिन्दी। हिन्दी अवधि, ब्रज, भोजपुरी इत्यादि सभी भाषाओं को समन्वय प्रदान करती है।

आज हमारे संस्कारों में अंग्रेजी घुल रही है। आज का युवा वर्ग अंग्रेजी में धारा प्रवाह होना ही अपनी उच्चता का मानक मान रहा है। वह मनोभावों की भाषा समझने में असमर्थ है। अंग्रेजी बोलना समाज में प्रतिष्ठा का प्रतीक बनती जा रही है। समाज में उन्नति के मापदंड हेतु अंग्रेजी बोलना चयनित किया जा रहा है। मातृ भाषा भारत वासियों के बीच हीनता का अनुभव कर रही है। यह हमारी भाषा की अस्मिता पर प्रश्न चिन्ह है। भाषा की दुर्बलता राष्ट्र की अभिव्यक्ति में न्यूनता को प्रदर्शित करती है। वह राष्ट्र की पहचान को क्षीण करती है। वैश्विक युग में सफलता के शीर्ष पर पहुँचते वक्त प्रत्येक भाषा को अपनाना होगा, पर हिन्दी के प्रति प्रेम में कृपणता परिलक्षित न करें। हिन्दी हमारी सांस्कृतिक धरोहर का अद्वितीय संकलन है हमें इसे सहेजना होगा। आत्मविश्वास से एवं पूर्ण निष्ठावान होकर इसे आत्मसात करना होगा। यह आत्मा के स्वरों का बोध है। हिन्दी सांस्कृतिक स्वरूप का एक ओजस रूप है। हिन्दी तो सर्वगुण सम्पन्न भाषा का दर्पण है। यह भाषा राष्ट्र के प्रति समर्पण है। एक स्वर और एक नाद से हम भारत वासियों को हिन्दी भाषा में अभिव्यक्ति को स्वीकारना चाहिए।

कथ्य के अनुरूप रचना संकलन को पहचान देती है हिन्दी।

पात्रो-चरित्रों के उद्घाटन का सजीव रूप है हिन्दी।

संवाद एवं प्रसंगानुकूल रोचकता की जनक है हिन्दी।

डॉ. रीना कहती, भाषा के सौन्दर्य की अनुपम छटा बिखेरती है हिन्दी।

डॉ. रीना रवि मालपानी (कवयित्री एवं लेखिका)

प्रेषकः डॉ. रीना रवि मालपानी

9039551172

# अरशद वारसी और अक्षय कुमार ने दोस्तों में करवाई लड़ाई, नीलम ने उगला जहर?

(जीएनएस)।

'बिग बॉस 19' दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रहा है। इसके हर एपिसोड में कुछ नया देखने को मिल रहा है, और प्रोमो वीडियो ने तो फैंस की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। हाल ही में, शो में 'जॉली एलएलबी 3' की टीम ने कोर्ट रूम ड्रामा पेश किया, जिसमें घर के सदस्यों को कठघरे में खड़ा किया गया।

कलर्स की तरफ से एक प्रोमो शेयर किया गया। जिसमें अरशद और अक्षय एक खेल खेलते हैं। तान्या मित्तल और कुनिका सदानंद कठघरे में थीं, जबकि नीलम गिरी उनके बीच खड़ी होकर सवालों के जवाब दे रही थीं। इस दौरान अक्षय कुमार ने नीलम से पूछा कि तान्या और कुनिका में से कौन ज्यादा दोषी है और किसे पीठ पीछे बात करने की आदत है। इस पर नीलम ने तान्या का नाम लिया।

हीं'ल्ल्र्िं' श्१ वस्र्िशे

जब अक्षय ने तान्या से उनके जवाब के बारे में पूछा, तो तान्या ने कहा, "मैं जाती थी तो दोस्ती का फायदा उठाते हुए ये कह सकती थी कि मैं नाराज हो जाऊंगी अगर तू उनके पास गई तो।" नीलम गिरी ने अपनी बात जारी रखते हुए कहा, "मुझे कल ऐसा लगा है तान्या मित्तल को लेकर कि ये मुझे धोखा दे सकती हैं।"

कोर्ट रूम ड्रामा में अक्षय कुमार ने नीलम से यह भी पूछा कि क्या तान्या उन्हें पीठ में छुरा घोंप सकती हैं, जिस पर नीलम ने 'हां' में जवाब दिया। इसके बाद, जब उनसे पूछा गया कि कौन अपनी बात से अक्सर पलट जाता है, तो नीलम गिरी ने कहा, "मुझे ऐसा लगता है ना सर कि मैम को कई बार खुद भी याद नहीं रहता कि उन्होंने क्या-क्या बोला है?" नीलम की बातें सुनकर अक्षय कुमार ने मजाकिया अंदाज में कहा कि ऐसा क्यों लग रहा है कि वह बच-बचाकर जवाब दे रही हैं। उन्होंने पूछा, "डर लगता है क्या आपको उनसे, सपने में आएंगी वो आपके, नागिन बनकर डस लेंगी।" रिपोर्ट्स की माने तो इस हफ्ते नतालिया घर से बेघर हो रही हैं।

# एशिया कप की ट्रॉफी सिर्फ इंडिया की होगी', पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले बॉलीवुड एक्टर ने जीता दिल

(जीएनएस)।

: भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर यानी रविवार को बड़ा मुकाबला खेला जाना है। बॉलीवुड एक्टर जायेद खान ने एशिया कप 2025 में होने वाले मैचों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने टीम इंडिया की फॉर्म को देखते हुए दावा किया है कि इस बार खिताब कोई और टीम नहीं, बल्कि भारत ही जीतेगा।

जायेद खान ने टीम इंडिया को लेकर क्या कहा

जायेद खान ने मीडिया से बातचीत में कहा कि इंडिया एक जबरदस्त टीम है और मुझे पूरा यकीन है कि यह टूनार्मेंट भारत ही जीतेगा। इंडिया सबको मैदान से बाहर कर देगा। टीम इंडिया ने अपने अभियान की शुरूआत शानदार अंदाज में की है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को केवल 9 विकेट से हराकर धमाकेदार जीत दर्ज की। भारत एशिया कप में खिताब का सबसे बड़ा दावेदार है।

राजनीतिक तनाव पर पूछा गया सवाल

जायेद खान से जब भारत-पाकिस्तान मुकाबले को लेकर राजनीतिक तनाव पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने साफ कहा कि खेल को खेल की तरह देखना चाहिए। उनके मुताबिक स्पोर्ट्स तो स्पोर्ट्स है। इसमें राजनीति की जरूरत नहीं है। अगर इससे दोनों देशों के बीच थोड़े बहुत रिश्ते बेहतर हो सकते हैं तो इसमें बुराई नहीं है।

कोटक ने तैयारियों को लेकर कही यह बात

गौरतलब है कि भारत और पाकिस्तान का मुकाबला 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मैच हमेशा की तरह हाई-वोल्टेज होने वाला है। टीम इंडिया के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने भी खिलाड़ियों की तैयारी को लेकर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम का पूरा ध्यान केवल क्रिकेट पर है और खिलाड़ी मैदान में केवल जीत हासिल करने की सोच के साथ उतरेंगे।

RNI No. GUJGUJ/2011/39228 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004, Ahmedabad,Gujarat-380 004. (2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002 (3) HARDIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002. and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPKLAL SHAH

# अपर महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे द्वारा साबरमती स्टेशन एवं इंटीग्रेटेड कोचिंग डिपो साबरमती का निरीक्षण

पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक श्री प्रदीप कुमार ने 13 सितम्बर 2025 को अहमदाबाद मंडल के साबरमती रेलवे स्टेशन तथा इंटीग्रेटेड कोचिंग डिपो (कउऊ) साबरमती का व्यापक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान श्री प्रदीप कुमार ने साबरमती स्टेशन पर पुनर्विकास कार्यों के तहत नवनिर्मित यात्री सुविधाओं जैसे कि कोनकोर्स हॉल, वेटिंग एरिया, टिकट बुकिंग विंडो, यात्रियों के लिए अलग-अलग एंट्री और एग्जिट पथ, लिफ्ट तथा स्टेशन पर उपलब्ध अन्य सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने सभी प्लेटफार्मों पर जाकर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा निमार्णाधीन फुट ओवर ब्रिज, एस्केलेटर्स, कवर शेड आदि विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

इस अवसर पर उप मुख्य परियोजना प्रबंधक (अहमदाबाद) श्री अनंत कुमार ने साबरमती स्टेशन पर जारी पुनर्विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी अपर महाप्रबंधक को दी तथा इस परियोजना की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया।

अपर महाप्रबंधक ने साबरमती स्थित इंटीग्रेटेड कोचिंग डिपो (कउऊ) का भी निरीक्षण किया, जहां उन्होंने कोचों के रखरखाव एवं परिचालन संबंधी प्रक्रियाओं का मूल्यांकन किया। विशेष रूप से उन्होंने वंदे भारत ट्रेनसेट के लिए विकसित किए जा रहे मेंटेनेंस डिपो की कार्य प्रगति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्री सेवाओं के उन्नयन, बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण एवं आधुनिक तकनीकों के प्रभावी कार्यान्वयन की दिशा में लगातार विभिन्न ठोस कदम उठाए जा रहे है। यात्रियों को अधिकतम सुविधा

# अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस का सहरसा तक विस्तार

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्रेन संख्या 19483/19484 अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस को सहरसा तक विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है:

ट्रेन संख्या 19483 अहमदाबाद-सहरसा एक्सप्रेस अहमदाबाद से निर्धारित समय 00.35 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 22.55 बजे सहरसा पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 19484 सहरसा-अहमदाबाद एक्सप्रेस 14 सितंबर 2025 से सहरसा से 16.40 बजे प्रस्थान करेगी तथा तीसरे दिन 11.55 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी।

बरौनी से सहरसा के बीच यह ट्रेन बेगूसराय, खगड़िया, मानसी और सिमरी बख्तियारपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

अहमदाबाद से बरौनी के बीच इस ट्रेन के आगमन/प्रस्थान समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

ट्रेनों के ठहराव और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

# 11 साल के लिव इन रिलेशन का ऐसा खौफनाक अंत

## हत्या की वजह जानकर चौंक जाएंगे

उत्तराखंड के हरिद्वार में एक व्यक्ति ने अपने लिव-इन पार्टनर की बेरहमी से हत्या कर दी। बाद में खुद को पुलिस के हवाले कर दिया। दोनों 11 साल से लिव इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। दोनों की आठ साल की एक बेटी भी है। हत्या की वजह सोशल मीडिया में सक्रियता और महिला का किसी ओर से संपर्क होने का शक बताया जा रहा है।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मामला हरिद्वार रानीपुर कोतवाली क्षेत्र के भभूतावाला बाग का है। जहां जिला अस्पताल के ड्राइवर ने अपनी लिव-इन पार्टनर की लोहे की रॉड से हमला कर हत्या कर दी। आरोपी ने हत्या के बाद खुद को पुलिस के हवाले कर दिया।

आरोपी युवक मुकेश पुजारी पिछले करीब 11 साल से शिवलोक

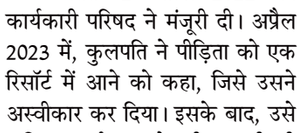

कॉलोनी में रहने वाली पिंकी के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था। जो कि ब्यूटी पार्लर भी चलाती थी। दोनों की आठ साल की एक बेटी भी है। मुकेश की पहली शादी भी हो चुकी है और उसकी पहली पत्नी से दो जवान बेटे हैं, जो अलग रहते हैं।

महिला 11 साल पहले मुकेश के लिए अपने दो बच्चे और पति को छोड़कर आई थी। जिसके बाद से दोनों लिव इन रिलेशनशिप में रहने लगी थीं। मुकेश ने अपनी लिव इन पार्टनर के लिए पास में ब्यूटी पॉर्लर भी खुलवाकर दिया। 11 साल तक सबकुछ सही चल रहा था,लेकिन अब पिंकी की सोशल मीडिया पर सक्रियता और रील बनाना मुकेश को पंसद नहीं थी।

शक और विवाद की वजह से दोनों के बीच मनमुटाव शुरू हुआ जिसका खौफनाक अंत हो गया। बताया जा रहा है कि घटना वाली रात करीब एक बजे मुकेश ने पिंकी को फोन कर बाहर बुलाया।

# 'अपने बायोडाटा में ये लिखिए', विश्वविद्यालय कुलपति के खिलाफ यौन उत्पीड़न मामले में सुप्रीमकोर्ट का आया अहम फैसला

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल एनयूजेएस विश्वविद्यालय के कुलपति निर्मल कांति चक्रवर्ती के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। हालांकि, न्यायालय ये फैसला चुनाते हुए बड़ा आदेश भी दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि कुलपति के रिज्यूम में ये केस और आरोप लिखा जाए। इसका पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

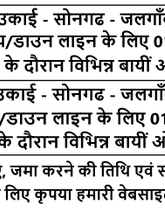

पीड़िता ने 26 दिसंबर 2023 को औपचारिक शिकायत दर्ज कराई थी, जबकि यौन उत्पीड़न अप्रैल 2019 में हुआ था। स्थानीय शिकायत समिति (एलसीसी) ने शिकायत को समय-बाधित मानते हुए खारिज कर दिया था, क्योंकि शिकायतकर्ता ने तीन महीने की निर्धारित सीमा और छह महीने की विस्तारित सीमा दोनों का उल्लंघन किया था।

पीड़िता के अनुसार, कुलपति चक्रवर्ती ने जुलाई 2019 में विश्वविद्यालय में कार्यभार संभाला। दो महीने बाद, 8 सितंबर को, उन्होंने पीड़िता को अपने कार्यालय में बुलाया और डिनर के लिए अनुरोध किया। उन्होंने महिला के हाथ को छुआ, जिससे वह असहज महसूस कर रही थी। इसके बाद महिला चुपचाप वहां से चली गई।

अक्टूबर 2019 में, कुलपति ने उसे दोबारा अपने कार्यालय में बुलाया और डिनर के प्रस्ताव के बारे में पूछा। पीड़िता ने स्पष्ट रूप से मना कर दिया और कहा कि वह केवल पेशेवर संबंध बनाए रखना चाहती है। इसके बाद, कुलपति ने कथित तौर पर यौन संबंध बनाने की मांग की और उसे धमकी दी।

अक्टूबर 2019 में, पीड़िता की पदोन्नति रोक दी गई, जिसे अंततः 2 अप्रैल 2022 को कार्यकारी परिषद ने मंजूरी दी। अप्रैल 2023 में, कुलपति ने पीड़िता को एक रिसॉर्ट में आने को कहा, जिसे उसने अस्वीकार कर दिया। इसके बाद, उसे करियर बर्बाद करने की धमकी दी गई।

29 अगस्त 2023 को, सेंटर ऑफ फाइनेंशियल, रेगुलेटरी एंड गवर्नेंस स्टडीज (CFRGS) से महिला को निदेशक पद से हटा दिया गया। उसी समय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) और नेशनल फाउंडेशन ऑफ कॉर्पोरेट गवर्नेंस (NFCG) से प्राप्त अनुदान के दुरुपयोग के मामले में पीड़िता के खिलाफ जांच शुरू की गई।


**पश्चिम रेलवे**
**वडोदरा मंडल**

**मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर (एमएसडीएसी) का डिज़ाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग**

**निविदा सूचना संख्या: S&T/BRC/25-6/16/SIG दिनांक: 12-09-2025** भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत वरिष्ठ डीएसटीई/वडोदरा, निविदा संख्या: SandT_BRC_25-26_16_SIG के अंतर्गत ई-निविदाएँ आमंत्रित करते हैं। बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियाँ केवल अंतिम तिथि और समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के लिए मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएँगे, और प्राप्त होने वाले ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को नज़रअंदाज़ कर दिया जाएगा। **कार्य का नाम और स्थान:** "पालेज-पनोली सेक्शन: स्वचालित सिग्नलिंग सेक्शन में दोहरे एक्सल काउंटरों द्वारा AFTC का प्रतिस्थापन" कार्य के संबंध में, वडोदरा डिवीजन के पालेज-पनोली सेक्शन में ऑटो-हट्स में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के साथ-साथ वडोदरा डिवीजन के पालेज-पनोली सेक्शन में मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर (MSDAC) का डिज़ाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 22,41,16,463.68 **जमा की जाने वाली बयाना राशि:** ₹ 12,70,600.00 **ई-निविदा जमा करने और ई-निविदा खोलने की तिथि और समय:** 08-10-2025 @ 15:00 बजे और 08-10-2025 @ 15:30 बजे **वेबसाइट विवरण और स्थान जहाँ पूरा विवरण आदि देखा जा सकता है, सूचना:** वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता, द्वितीय तल-एनेक्सी भवन, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390004
http://www.ireps.gov.in BRC185
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly


# एमाज़ान इंजीनियर ने किया फिलिस्तीन का समर्थन, कंपनी का एक्शन बना ग्लोबल चर्चा का मुद्दा

(जीएनएस)।

ई-कॉमर्स कंपनी Amazo»»f ने फिलिस्तीनी सॉफ्टवेयर इंजीनियर अहमद शाहरूर को सस्पेंड कर दिया है। इसकी वजह उनके द्वारा इजराइली सरकार और Amazon के बीच हुए समझौते Project Nimbus का विरोध बताया जा रहा है।

शाहरूर का कहना है कि यह प्रोजेक्ट इजराइल को एआई और डेटा सेंटर जैसी सुविधाएं देता है, जिससे फिलिस्तीनियों पर निगरानी और दमन आसान हो जाता है। वहीं, Amazon ने आरोप लगाया कि शाहरूर ने कंपनी की नीतियों का उल्लंघन किया है। यह मामला न सिर्फ टेक कंपनियों की नीतियों बल्कि फिलिस्तीनी कर्मचारियों की आवाज दबाए जाने पर भी गंभीर सवाल खड़ा करता है।

क्यों किया गया अहमद शाहरूर को सस्पेंड?

अहमद शाहरूर पिछले तीन सालों

से Amazon की Whole Foods डिवीजन में सिएटल ऑफिस से काम कर रहे थे। उन्होंने Slack चैनलों और एक ओपन लेटर के जरिए Project Nimbus का विरोध किया था। शाहरूर का आरोप है कि यह प्रोजेक्ट इजराइल को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग और डेटा सेंटर जैसी आधुनिक तकनीक उपलब्ध कराता है, जिसका इस्तेमाल फिलिस्तीनी लोगों पर नियंत्रण और निगरानी के लिए किया जा सकता है। विरोध के तुरंत बाद Amazon ने उन्हें नोटिस भेजा और सस्पेंड कर दिया।

प्रोजेक्ट निम्बस और विवाद

Project Nimbus 2021 में Google और Amazon की साझेदारी में शुरू हुआ था। इसका मकसद इजराइली सरकार को उन्नत तकनीकी सेवाएं देना है। लेकिन मानवाधिकार संगठनों और कर्मचारियों का मानना है कि इस प्रोजेक्ट से फिलिस्तीनियों के खिलाफ सैन्य और निगरानी गतिविधियों को और बढ़ावा मिलेगा। अहमद शाहरूर और अन्य कर्मचारियों का कहना है कि इस तरह की डील टेक कंपनियों की नैतिक जिम्मेदारी पर सवाल खड़ा करती है।

**पश्चिम रेलवे**
**विभिन्न मरम्मत कार्य**

**मंडल रेल प्रबंधक (पश्चिम रेलवे), पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400008, ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:**

| क्र.नं. | निविदा सूचना संख्या एवं तिथि | कार्य और स्थान | कार्य की अनुमानित लागत ₹ | EMD ₹ |
|---|---|---|---|---|
| 1 | BCT-25-26-221 दि. 10.09.2025 | उकाई - सोनगढ- जलगाँव खंड - एसएसई (पी-वे) सिंदखेड़ा के अंतर्गत अप/डाउन लाइन के लिए 01 वर्ष की अवधि हेतु मार्ग का रखरखाव, जिसमें | 2,65,26,338.66 | 2,82,600/- |
| | मानसून ऋतु (2025-26) के दौरान विभिन्न बायीं ओर के मुख्य मार्गों पर पम्पिंग व्यवस्था शामिल है (कुल 45.051 किमी) | | | |
| 2 | BCT-25-26-222 दि. 10.09.2025 | उकाई - सोनगढ - जलगाँव खंड - एसएसई (पी-वे) नंदुरबार के अंतर्गत अप/डाउन लाइन के लिए 01 वर्ष की अवधि हेतु मार्ग का रखरखाव, जिसमें | 3,23,26,033.25 | 3,11,600/- |
| | मानसून ऋतु (2025-26) के दौरान विभिन्न बायीं ओर के मुख्य मार्गों पर पम्पिंग व्यवस्था शामिल है (कुल 45.101 किमी) | | | |
| 3 | BCT-25-26-223 दि. 10.09.2025 | उकाई - सोनगढ - जलगाँव खंड - एसएसई (पी-वे) नवापुर के अंतर्गत अप/डाउन लाइन के लिए 01 वर्ष की अवधि हेतु मार्ग का रखरखाव, जिसमें | 3,66,31,300.28 | 3,33,200/- |
| | मानसून ऋतु (2025-26) के दौरान विभिन्न बायीं ओर के मुख्य मार्गों पर पम्पिंग व्यवस्था शामिल है (कुल 45.168 किमी) | | | |

उपरोक्त सभी निविदाओं के लिए, जमा करने की तिथि एवं समय: दि. 07.10.2025 को 15:00 बजे तक. खोलने की तिथि एवं समय: दि. 07.10.2025 को 15:30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। मैन्युअल प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जाएगा।
0594
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फ़ॉलो करें: X.com/WesternRly

# सुशासन के 4 वर्ष : गुजरात के 32,200 से अधिक प्राथमिक विद्यालयों के 40 लाख से अधिक विद्यार्थियों को मिल रहा है मुख्यमंत्री पौष्टिक अल्पाहार योजना का लाभ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए 'पढ़ाई भी, पोषण भी' के ध्येय को साकार कर रही गुजरात सरकार

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने दिसंबर 2024 में शुरू की थी मुख्यमंत्री पौष्टिक अल्पाहार योजना

मुख्यमंत्री पौष्टिक अल्पाहार योजना अंतर्गत बच्चों को दिया जाता है सुखडी, चना चाट, मिक्स दलहन, मिलेट का अल्पाहार

गांधीनगर, 13 सितंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल द्वारा गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल संभाले जाने के आज 13 सितंबर 2025 को 4 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। सुशासन के इन 4 वर्षों के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू हुई गुजरात की विकास यात्रा को लगातार आगे बढ़ाया है। उनके दृढ़ नेतृत्व में गुजरात ने विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति की है। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल द्वारा शुरू हुई लोक कल्याणकारी योजनाओं ने राज्य की जनता का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया है। ऐसी ही एक योजना है मुख्यमंत्री पौष्टिक अल्पाहार योजना, जो शिक्षा के साथ पोषण के सर्वग्राही दृष्टिकोण के साथ प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए शुरू की गई थी।

मुख्यमंत्री पौष्टिक अल्पाहार योजना : 40 लाख से अधिक विद्यार्थियों को मिल रहा है कैलोरी-प्रोटीनयुक्त अल्पाहार

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रपटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार ने 11 दिसंबर 2024 को 'मुख्यमंत्री पौष्टिक अल्पाहार योजना' की शुरूआत की थी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य सुपोषित गुजरात मिशन अंतर्गत सरकारी एवं अनुदानित प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों को पीएम पोषण योजना अंतर्गत दिए जाने वाले मध्याह्न भोजन के उपरांत पौष्टिक आहार देना सुनिश्चित करना है।

पीएम पोषण योजनांतर्गत समाविष्ट किए गए सभी विद्यालयों में उपस्थित रहने वाले विद्यार्थी 'मुख्यमंत्री पौष्टिक अल्पाहार योजना' अंतर्गत नियमित लाभ लेते हैं। मुख्यमंत्री पौष्टिक अल्पाहार योजना अंतर्गत औसत 200 किलो कैलोरी तथा 6 ग्राम प्रोटीन से युक्त पौष्टिक अल्पाहार विद्यार्थियों को दिया जाता है। हाल में राज्य के 32,200 से अधिक प्राथमिक विद्यालयों के 40 लाख से अधिक विद्यार्थियों को कैलोरी-प्रोटीन से युक्त अल्पाहार मिल रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'पढ़ाई भी, पोषण भी' के ध्येय को साकार कर रही है गुजरात सरकार

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री पौष्टिक अल्पाहार योजना अंतर्गत बच्चों को सुखडी, चना चाट, मिक्स दलहन, मिलेट का अल्पाहार दिया जाता है। वित्त वर्ष 2025-26 में राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री पौष्टिक अल्पाहार योजना के लिए 617.67 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया है।

गुजरात पीएम पोषण योजना अंतर्गत भोजन के अलावा बालवाटिका से कक्षा 8 तक के सभी विद्यार्थियों को अल्पाहार देने का निर्णय लेने वाला अग्रिम राज्य है। गुजरात सरकार इस पोषणोन्मुखी योजना के क्रियान्वयन द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'पढ़ाई भी, पोषण भी' के ध्येय को साकार कर रही है।

# फलावदा मजार तोड़फोड़ मामले में सीसीटीवी से खंगाले जा रहे आरोपी, किसने दिया घटना को अंजाम?

(जीएनएस)।

यूपी के मेरठ के फलावदा कस्बे में गुरुवार की रात को एक घटना ने स्थानीय लोगों को हिला दिया। शरारती तत्वों ने मोहम्मद बब्बल शाह की मजार समेत छह मजारें तोड़ दीं। सुबह उठने के बाद जब लोग वहां पहुंचे तो मजार टूटा था। वहां पर बिखरी ईंटों और क्षतिग्रस्त मजारों को देखकर गुस्से में आ गए।

स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना देने के साथ ही आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। मामले की जानकारी मिलने के बाद आसपास की बस्ती से काफी संख्या में लोग वहां पहुंच गए। पुलिस द्वारा समझाने का प्रयास किया गया लेकिन लोग आक्रोश जताने लगे। उसके बाद वहां पर भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा। त्यप्रकाश, एसपी देहात राकेश मिश्रा और सीओ सरधना आशुतोष कुमार भी मौके पर पहुंचकर लोगों से बातचीत की। उन्होंने टूटी मजारों की मरम्मत और दोषियों की जल्द गिरफ्तारी का भरोसा दिलाया। उसके बाद मजार की मरम्मत का काम शुरू हुआ तो लोग शांत हुए।

हिंदू समुदाय के लोग भी चढ़ाते हैं चादर

बताया जा रहा है फलावदा कस्बा स्थित काले सिंह मंदिर मार्ग पर

कब्रिस्तान में मोहम्मद बब्बल शाह की मजार के साथ कई अन्य मजारें भी हैं। दोनों समुदाय यहां चादर चढ़ाते हैं। इन्हीं मजारों को गुरुवार रात शरारती तत्वों ने तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया।

सुबह उठने के बाद सूफी निजामुद्दीन और पड़ोसी खेत स्वामी जुनैद जब मौके पर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि मजारों के चारों ओर ईंटें बिखरी हुई थीं। उनके द्वारा आसपास के लोगों को जानकारी दी गई। मजार तोड़े जाने की जानकारी मिलते ही वहां पर काफी संख्या में लोग पहुंच गए।

उसके बाद वहां पहुंचे स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस को फोन करके इस पूरे मामले की जानकारी दी गई। जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। प्रभारी निरीक्षक दिनेश प्रताप सिंह द्वारा आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया गया।

हालांकि प्रभारी के समझाने के बाद भी मौके पर मौजूद लोग बात मानने के लिए तैयार नहीं हुए। इस दौरान लोग आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग करते नजर आए। भीड़ बढ़ती देख वहां पर अन्य थानों से भी फोर्स बुलाई गई।

अधिकारियों के समझाने पर शांत हुए ग्रामीण

प्रभारी द्वारा इसकी सूचना अधिकारियों को दी गई। जानकारी मिलने के बाद एसडीएम, एसपी देहात और सीओ भी मौके पर पहुंचे उसके बाद अधिकारियों द्वारा भरोसा दिया गया कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

उसके बाद ग्रामीण शांत हुए और टूटे हुए मजारों के मरम्मत का कार्य प्रारंभ हुआ। इस घटना की जांच के लिए दो टीमों का गठन किया गया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है। एसपी देहात राकेश मिश्रा ने कहा कि जांच की जा रही है। आरोपियों की गिरफ्तार के लिए गठित पुलिस टीम सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पहचान करने में जुटी है।

# एशिया कप जीतने के बाद सरेआम फैंस से भिड़ गए थे शाहिद अफरीदी, एयरपोर्ट पर हाथापाई, वीडियो वायरल

(जीएनएस)।

भारत और पाकिस्तान के बीच दुबई में 14 सितंबर को मैच होना है। इस एशिया कप मुकाबले से पहले सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी का एक पुराना वीडियो फिर से चर्चा में है। यह वीडियो साल 2012 का है, जब अफरीदी कराची एयरपोर्ट पर फैंस के साथ हाथापाई करते हुए नजर आए थे।

पाकिस्तान ने 2012 में जीता था एशिया कप

दरअसल, पाकिस्तान ने 2012 में एशिया कप का खिताब जीता था। बांग्लादेश को शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम मीरपुर में हराकर पाकिस्तान ने केवल दो रनों से रोमांचक जीत दर्ज की थी। इस जीत के बाद अफरीदी टीम के साथ ढाका से कराची लौटे। एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करने के लिए काफी

संख्या में फैंस मौजूद थे। इसी दौरान माहौल अचानक बिगड़ गया।

सरेआम फैंस से भिड़ गए थे अफरीदी

रिपोर्ट्स के मुताबिक कुछ फैंस बार-बार अफरीदी से ऑटोग्राफ मांगते रहे। वहीं, एक अन्य दावा यह भी किया गया कि अफरीदी की बेटी को भीड़ में धक्का लगा, जिसके बाद उन्होंने अपना आपा खो दिया। वीडियो में देखा जा सकता है कि अफरीदी ने एक फैन को धक्का दिया और किक मारने की कोशिश की। इस बीच अन्य लोग बीच-बचाव के लिए आ गए और मामला शांत कराया गया।

दमदार रहा था प्रदर्शन

यह घटना उस समय काफी सुर्खियों में रही थी। अफरीदी ने न सिर्फ फैन को धक्का दिया बल्कि एक अन्य शख्स को भी फटकार लगाई और थप्पड़ मारने की धमकी दी। अंत में वे अपनी कार में बैठकर एयरपोर्ट से रवाना हो गए। साल 2012 एशिया कप में अफरीदी का प्रदर्शन शानदार रहा था। फाइनल में उन्होंने 22 गेंदों पर 32 रन बनाए और गेंदबाजी में 10 ओवर में सिर्फ 28 रन देकर एक विकेट लिया।

# चुनाव से पहले हुए सर्वे में पीएम मोदी को लेकर चौंकाने वाला खुलासा, क्या है जनता के दिल में?

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले लगातार ओपिनियन पोल और सर्वे आ रहे हैं। जनता का मूड भांपने के लिए एक नया सर्वे आया है, जिसमें आम लोगों से सीएम फेस से लेकर चुनाव में मुख्य मुद्दा समेत कई मुद्दों पर सवाल पूछे गए थे। इस सर्वे में सीएम के लिए पहली पसंद के तौर पर फिर एक बार तेजस्वी यादव ने बाजी मारी है। वहीं दूसरे नंबर पर नीतीश कुमार बरकरार हैं। सर्वे के नतीजे स्पष्ट करते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जलवा अभी भी बरकरार है।

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अभी तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है। माना जा रहा है कि इस महीने के आखिरी तक इलेक्शन कमिशन की ओर से शेड्यूल घोषित कर दिया जाएगा। सीट शेयरिंग और प्रचार की रणनीति के लिए दिल्ली से लेकर पटना तक बैठकों का दौर जारी है। श्राद्ध पक्ष खत्म होते ही दोनों प्रमुख गठबंधन सीट बंटवारे का ऐलान कर सकते हैं।

पीएम मोदी पर लोगों का भरोसा

कायम

इस सर्वे में लोगों से पूछा गया था कि किस मुद्दे पर वोट करेंगे? इसके जवाब में 13.7% लोगों ने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर वोट करेंगे। लोगों का यह जवाब स्पष्ट करता है कि बिहार में स्थानीय मुद्दे हावी हैं, लेकिन इसके बाद भी ब्रांड मोदी पर भरोसा कायम है। यही वजह है कि पीएम ने पिछले 3 महीनों में कई बार बिहार का दौरा किया है। सितंबर में भी वह पूर्णिया में एयरपोर्ट समेत कई बड़ी योजनाओं की सौगात देने पहुंचेंगे। इस दौरान वह पूर्णिया में एक मेगा रैली भी करने वाले हैं।

पीएम मोदी पर आज भी लोगों का भरोसा बरकरार

इस सर्वे के नतीजे बताते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे पर अभी भी जनता का भरोसा कायम है। सूत्रों के मुताबिक, एनडीए के प्रचार की कमान भी खुद पीएम ही संभालेंगे। प्रधानमंत्री बिहार में कई दौरे कर सकते हैं। 15 सितंबर को पूर्णिया की रैली के जरिए वह पूरे सीमांचल को बड़ा संदेश देने की कोशिश करेंगे। एनडीए के पास मुख्यमंत्री के तौर पर नीतीश कुमार का चेहरा है और पीएम नरेंद्र मोदी की ब्रांड इमेज के जरिए आक्रामक चुनावी कैंपेन तैयार किया जा सकता है। चुनाव तैयारियों का जायजा लेने के लिए अमित शाह पहुंचेंगे। बीजेपी ने अपने कई बड़े नेताओं को बिहार में चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी सौंपी है।

# राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंकों ने वसूले करीब 4 करोड़, बिजली विभाग ने किया 12.41 लाख का समझौता

(जीएनएस)।

बेगूसराय जिले के व्यवहार न्यायालय परिसर में शनिवार को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में बड़ी संख्या में लोग अपने मामलों के निपटारे के लिए पहुंचे। इस दौरान विभिन्न बैंकों ने बकायदारों से कुल 3 करोड़ 98 लाख 92 हजार 633 रुपये की वसूली की।

वहीं बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं से 12 लाख 41 हजार 876 रुपये का समझौता किया। लोक अदालत में आपराधिक मामलों के 1500 से अधिक मुकदमों का निष्पादन भी किया गया।

उद्घाटन और मुख्य अतिथि

राष्ट्रीय लोक अदालत का विधिवत उद्घाटन प्रभारी जिला एवं सत्र न्यायाधीश महेश कुमार सिंह, परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश बृजेंद्र कुमार, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव न्यायाधीश करुणा निधि प्रसाद आर्या, पुलिस अधीक्षक मनीष, एडीएम बृज किशोर चौधरी...।

जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष संजीत कुमार और जिला वकील संघ अध्यक्ष ध्रुव महतो ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। कार्यक्रम की शुरूआत बालिका होम की बच्चियों के राष्ट्रगान और स्वागत गीत से हुई। मंच संचालन न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी मिठू रानी

और सानू कुमार ने किया।

लोक अदालत का महत्व

प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश महेश कुमार सिंह ने कहा, "राष्ट्रीय लोक अदालत एक ऐसा अवसर है जिसमें पक्षकार अपने वादों का निपटारा आपसी सुलह से कर सकते हैं। यहां न कोई जीतता है और न हारता है-दोनों की जीत होती है और फैसले के खिलाफ कोई अपील नहीं होती।"

परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश बृजेंद्र कुमार ने उपस्थित पक्षकारों और अस्थाई बेंचों के पदाधिकारियों से अपील की कि अधिक से अधिक मामलों का निपटारा कर लोगों को राहत प्रदान करें। पुलिस अधीक्षक मनीष ने बताया कि पिछले दो महीनों से पुलिस लगातार नोटिस तामील कर रही है, जिससे इस बार रिकॉर्ड संख्या में मामलों का निष्पादन होने की उम्मीद है।

व्यापक व्यवस्था

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव करुणा निधि प्रसाद आर्या ने जानकारी दी कि इस बार 18 अस्थायी बेंच बनाए गए। इनमें बेगूसराय में 13, अनुमंडल स्तर पर तेघड़ा, बलिया, मंझौल और बखरी में एक-एक, तथा रेलवे न्यायालय में एक बेंच शामिल है। उन्होंने बताया कि पिछले दो महीनों से अधिकार मित्रों और जिला प्रशासन की मदद से व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया, ताकि ज्यादा से ज्यादा मामलों का निपटारा हो सके।

भीड़ और उत्साह

बारिश के बावजूद व्यवहार न्यायालय परिसर में पक्षकारों की भारी भीड़ रही। प्रति घंटे मामलों के निष्पादन की निगरानी प्रभारी जिला एवं सत्र न्यायाधीश महेश कुमार सिंह स्वयं कर रहे थे। वे जिला विधिक सेवा प्राधिकार सचिव करुणा निधि प्रसाद आर्या, नायब नाजिर अभिनव, सहायक उदय कुमार, इंद्रसेन शर्मा और अधिकार मित्र शैलेश कुमार के साथ विभिन्न बेंचों का दौरा कर पक्षकारों को समझाते नजर आए।

राष्ट्रीय लोक अदालत का मकसद पक्षकारों को त्वरित और सस्ती न्यायिक राहत उपलब्ध कराना है। बेगूसराय में हुए इस आयोजन ने एक बार फिर साबित किया कि आपसी सहमति और सुलह के जरिए विवादों का समाधान संभव है, जिससे न सिर्फ न्यायिक प्रक्रिया तेज होती है बल्कि लोगों का समय और धन भी बचता है।

# सागर में लोकायुक्त ने इंजीनियर को रिश्वत लेते कैसे रंगे हाथों पकड़ा, जानिए, 1 लाख रुपए की थी डिमांड

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के सागर जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई का एक और उदाहरण सामने आया है। पुलिस महानिदेशक लोकायुक्त श्री योगेश देशमुख के निर्देश पर सागर लोकायुक्त इकाई ने आज एक ट्रैप ऑपरेशन चलाकर मध्य प्रदेश विद्युत बोर्ड (टढएइ) के कनिष्ठ अभियंता (प्रभारी सहायक अभियंता) मिलन परतेती को 1 लाख रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई टढएइ के पावर हाउस कार्यालय में की गई, जहां परतेती एक ठेकेदार से एस्टीमेट को ऊए (डिवीजनल इंजीनियर) से अप्रूव करवाने के बदले रिश्वत मांग रहा था।

यह घटना मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही मुहिम का हिस्सा है, जो आम नागरिकों को प्रभावित करने वाली सरकारी सेवाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार को उजागर करती है। लोकायुक्त की इस कार्रवाई से न केवल आरोपी को पकड़ा गया, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाने का संदेश भी दिया गया है।

लोकायुक्त ने कनिष्ठ अभियंता को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

ट्रैप ऑपरेशन का पूरा विवरण:

ठेकेदार की शिकायत से शुरू हुई कार्रवाई

ट्रैप ऑपरेशन आज (13 सितंबर 2025) दोपहर करीब 2 बजे टढएइ के पावर हाउस कार्यालय में सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। शिकायतकर्ता राम कुमार पटेल (पिता स्व. श्री रतन राम पटेल, निवासी नेहा नगर, मकरोनिया, सागर) ने बताया कि वह एक ठेकेदार हैं और उनके प्लॉट के ऊपर से गुजर रही 11 'श की बिजली लाइन को हटवाने के लिए उन्होंने टढएइ में आवेदन किया था। इस प्रक्रिया के तहत बनाए गए एस्टीमेट को ऊए से अप्रूव करवाने के लिए आरोपी मिलन परतेती ने उनसे 1.5 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की थी।

राम कुमार पटेल ने इस भ्रष्टाचार की शिकायत सागर लोकायुक्त कार्यालय में दर्ज की, जो पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त श्री योगेश्वर शर्मा के पास पहुंची। 3 सितंबर 2025 को शिकायत का सत्यापन किया गया, जिसमें परतेती ने रिश्वत की रकम को 1 लाख रुपये तक कम करने पर सहमति जताई। लोकायुक्त टीम ने तत्काल ट्रैप की योजना बनाई, और आज दोपहर आरोपी को रिश्वत के पैसे लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया।

ट्रैपकर्ता निरीक्षक रोशनी जैन ने बताया, "आरोपी ने ठेकेदार से पैसे लेते ही पकड़ा गया। उसके पास से रिश्वत की राशि बरामद कर ली गई है। मामला भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज किया गया है।" ट्रैप दल में निरीक्षक कमल सिंह उइके और लोकायुक्त सागर स्टाफ भी शामिल थे। अग्रिम कार्यवाही जारी है, और आरोपी को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

आरोपी की पहचान और भूमिका

आरोपी मिलन परतेती मध्य प्रदेश विद्युत बोर्ड (टढएइ) में कनिष्ठ अभियंता के पद पर तैनात हैं और सागर सर्कल में प्रभारी सहायक अभियंता के रूप में कार्यरत हैं। वे बिजली लाइन शिफ्टिंग, एस्टीमेट अप्रूवल, और संबंधित कार्यों के जिम्मेदार हैं। ठेकेदार राम कुमार पटेल ने बताया कि परतेती ने एस्टीमेट को ऊए से पास करवाने के बदले रिश्वत मांगी थी, अन्यथा काम अटक जाएगा।

सागर लोकायुक्त कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया, "टढएइ जैसे विभागों में भ्रष्टाचार आम समस्या है। ठेकेदारों को एस्टीमेट पास करवाने के लिए रिश्वत देनी पड़ती है। इस ट्रैप से हमने एक और भ्रष्ट अधिकारी को पकड़ लिया है।"

शिकायत से ट्रैप तक की पूरी प्रक्रिया

राम कुमार पटेल ने बताया कि उनका प्लॉट नेहा नगर में है, जहां से 11 'श की हाई-टेंशन लाइन गुजर रही है। इससे निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा था, इसलिए उन्होंने टढएइ में लाइन शिफ्टिंग के लिए आवेदन किया। एस्टीमेट तैयार होने के बाद परतेती ने उनसे संपर्क किया और 1.5 लाख रुपये की मांग की। पटेल ने रिश्वत देने से इनकार किया, लेकिन दबाव बढ़ने पर उन्होंने लोकायुक्त से

# बनारसी साड़ी : लाखों की कीमत और महीनों की मेहनत से तैयार होती है यह साड़ी, जानें हर धागे की खासियत

(जीएनएस)।

भारत की सांस्कृतिक धरोहर में बनारसी साड़ियों का अपना स्थान है। सदियों से बनारस (वाराणसी) की पहचान रही यह साड़ी आज भी अपनी बारीकी, शिल्पकला और पारंपरिक आकर्षण के कारण लोकप्रिय है। बंगाल और बिहार में तो शादी में बनारसी साड़ी पहनने का प्रचलन रहा है। इन साड़ियों की कीमत भी हजारों से शुरू होकर लाखों तक में होती है। बॉलीवुड स्टार्स हों या नीता अंबानी जैसी सेलिब्रिटी इन सबके वार्डरोब में बनारसी साड़ियों का खास स्थान होता है।

बनारसी साड़ियों की खासियत इनकी बुनावट और खास पैटर्न होता है। इसके अलावा, इन्हें बनाने के लिए कारीगर दिन रात मेहनत करते हैं और कई बार तो इनमें चांदी और सोने का वर्क भी इस्तेमाल किया जाता है। यही वजह है कि नायाब बनारसी साड़ियां लाखों रुपये में भी बिकती हैं।

बनावट होती है बेहद खास

• बनारसी साड़ियों की सबसे बड़ी विशेषता इनकी हैंडलूम बुनाई होती है। इस साड़ी को तैयार करने की प्रक्रिया बेहद जटिल होती है। इसमें महीनों का समय और असंख्य करघों पर कारीगरों की दिन-रात की मेहनत लगती है। कई बार एक साड़ी को पूरा करने में 6 महीने से लेकर एक साल

तक का समय लग सकता है।

• दूसरी खासियत है इनका जरी का काम। शुद्ध सोने और चांदी की जरी के धागों से बुनाई की जाने वाली बनारसी साड़ी को किसी शाही परिधान से कम नहीं माना जाता। यही वजह है कि इसकी कीमत लाखों तक पहुंच जाती है। इसके साथ ही, मुगलकालीन डिजाइन, जैसे बेल-बूटे, जाल और फूल-पत्तियों की नक्काशी, इसे और भी आकर्षक बनाती है।

• इसके अलावा, हर बनारसी साड़ी यूनिक होती है। हाथ से बनने की वजह से इसमें मशीन जैसी एकरूपता नहीं होती, बल्कि हर साड़ी में अलग पहचान और अलग आकर्षण देखने को मिलता है।

• लाखों रुपये की कीमत सिर्फ कपड़े की नहीं, बल्कि इसमें झलकती परंपरा, धरोहर और कारीगरी की है। यही कारण है कि बनारसी साड़ी सिर्फ परिधान नहीं, बल्कि विरासत मानी जाती है।

यह भी पढ़ें: ख३८ श१३ 2025: जितिया व्रत पर पांव में बनाएं आलता के ये डिजाइन, हर कोई देखकर करेगा दिल खोलकर तारीफ

• तीसरी अहम बात है सांस्कृतिक और पारंपरिक महत्व। बनारसी साड़ी शादी-ब्याह और खास मौकों पर पहनने के लिए सबसे पहली पसंद होती है। दुल्हन का श्रृंगार बनारसी साड़ी के बिना अधूरा माना जाता है। यही वजह है कि इनकी डिमांड कभी कम नहीं होती।